

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र भाकृअप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली द्वारा डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स विषय पर आयोजित एक वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें 40 कृषि इनपुटस डीलर्स को डिप्लोमा प्रदान किये गये।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. विवेक कुमार गुप्ता, संयुक्त निदेशक, कैडराड, भाकृअप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली थे। आपने अध्यक्षीय सम्बोधन में बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योंकि इनपुट डीलर्स ही कृषकों को खाद, बीज, कृषि रसायनों आदि की आपूर्ति करते हैं तथा अधिकांश कृषकों का उनसे सीधा सम्पर्क रहता है। आपने आह्वान किया कि यदि भविष्य में इनपुट डीलर्स को संस्थान के सहयोग की कभी भी आवश्यकता होगी उनको अवश्य दिया जायेगा।



संस्थान के संयुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा डा. महेश चन्द्र ने सभी इनपुट डीलर्स का आहवान किया कि सरकार की विभिन्न नीतियाँ व संस्थानों से विकसित किसानोपयोगी तकनीकियों को कृषक तक पहुँचाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आपने आगे बताया कि इनपुट डीलर्स भी भविष्य के प्रसारकर्ता हैं तथा आपको नवीन तकनीकियों को प्राप्त करने के लिये तत्पर रहना पड़ेगा तथा सुझाव दिया कि कृषकों को विभिन्न इनपुट जैसे खाद बीज कीटनाशी जैविक उत्पाद के बिक्री के साथ उसके विषय की जानकारी होना आवश्यक है इसके लिये समय-समय पर कृषि विज्ञान केन्द्रों व कृषि विशेषज्ञों व वैज्ञानिकों के सम्पर्क में रहना है।



संयुक्त निदेशक कृषि बरेली मंडल डा. सत्यवीर सिंह ने इस डिप्लोमा कार्यक्रम को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया। आपने सुझाव दिया कि सभी इनपुट डीलर्स इस कोर्स से प्राप्त ज्ञान को अन्तिम उपभोक्ता (कृषक) तक पहुँचाने का कार्य करें तब ही यह सार्थक हो सकेगा।

कृषि विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष डा. ब्रजपाल सिंह ने एक वर्ष तक चले इस डिप्लोमा कोर्स के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा इस दौरान 40 व्याख्यान तथा 8 फील्ड भ्रमण कराये गये। इस अवसर पर सभी डिप्लोमा धारकों को प्रशस्तिपत्र वितरण किया गया।

कार्यक्रम के अन्त में श्री रंजीत सिंह विषय विशेषज्ञ ने सभी आगन्तुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डा. सत्यवीर सिंह मलिक, डा. पुतान सिंह सहित वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

